सेफरॉन बाउल प्रोजेक्ट

प्रलिम्सि के लयि:

केसर, केसर बाउल परयिोजना, प्रौद्योगकिी अनुप्रयोग और पहुँच के लयि उत्तर-पूर्व केंद्र, केसर के लयि अन्य सरकारी पहल।

मेन्स के लयि:

सरकारी नीतयिाँ और हस्तक्षेप, केसर की खेती और इसका महत्त्व।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केसर बाउल परयिोजना/सेफरॉन बाउल प्रोजेक्ट (Saffron Bowl Project) के तहत नॉर्थ ईस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन एंड रीच (NECTAR) ने केसर की खेती के लयि अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में कुछ स्थानों की पहचान की है।

- पूरे प्रोजेक्ट की कुल लागत अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के लयि 17.68 लाख रुपए नर्धिरति की गई है।
- NECTAR विज्ञान और प्रौद्योगकिी वभिाग (DST) के तहत एक स्वायत्त नकिाय है जसिने भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में समान गुणवत्ता और उच्च मात्रा के साथ केसर उगाने की व्यवहार्यता का पता लगाने हेतु एक पायलट परयिोजना का समर्थन कयिा है।

उत्तर-पूर्व में केसर की खेती के वसि्तार का कारण:

- प्रारंभ में केसर का उत्पादन कश्मीर के बहुत कम और वशिषि्ट क्षेत्रों तक ही सीमति था।
- हालाँकि राष्ट्रीय केसर मशिन के तहत केसर का उत्पादन बढ़ाने हेतु कई उपाय कयि गए, लेकनि उत्पादन हेतु क्षेत्र बहुत सीमति था, साथ ही केसर उगाने वाले क्षेत्रों में पर्याप्त बोरवेल सुवधिा का अभाव था।
- भारत में प्रतवि‍र्ष करीब 6 से 7 टन केसर की खेती होती है, जबकि देश में केसर की मांग 100 टन है।
- केसर की बढ़ती मांग को पूरा करने के लयि विज्ञान एवं प्रौद्योगकिी मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रोद्योगकिी वभिाग के माध्यम से पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों (प्रारंभ में सकि्कमि और बाद में मेघालय एवं अरुणाचल प्रदेश) में इसकी खेती के वसि्तार पर वचिार कर रहा है।
- कश्मीर और पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों के बीच जलवायु एवं भौगोलकि परसि्थतियिों में भारी समानता है।
  - अरुणाचल प्रदेश में फूलों के साथ जैवकि केसर की अच्छी खेती होती है। मेघालय में चेरापूंजी, मौसमाई और लालगिंटॉप स्थलों पर सैंपल के तौर पर वृक्षारोपण कयिा गया है।
- यह कृषि में भी ववधिता लाएगा और उत्तर-पूर्व में कसिानों को नए अवसर प्रदान करेगा।

केसर और इसका महत्त्व:

- **केसर:**
  - केसर एक पौधा है जसिके सूखे वर्तकिाग्र (फूल के धागे जैसे हसि्से) का उपयोग केसर का मसाला बनाने के लयि कयिा जाता है।
  - माना जाता है कि पहली शताब्दी ईसा पूर्व के आस-पास मध्य एशयिाई प्रवासयिों द्वारा कश्मीर में केसर की खेती शुरू की गई थी।
  - यह बहुत कीमती और महँगा उत्पाद है।
  - प्राचीन संस्कृत साहत्यि में केसर को 'बहुकम (Bahukam)' कहा गया है।
  - केसर की खेती वशिेष प्रकार की 'करेवा' (Karewa)' मट्टिी में की जाती है।
- **महत्त्व:**
  - इसका उपयोग **स्वास्थ्य, सौंदर्य प्रसाधन और औषधीय प्रयोजनों** के लयि कयिा जाता है।
  - इसका उपयोग पारंपरकि रूप से **कश्मीरी व्यंजनों** में भी कयिा जाता है जो इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतकि वरिासत का प्रतनिधित्वि करता है।

केसर की कृषि हेतु मौसम एवं आवश्यक दशाएँ:

- **मौसम:**
    - भारत में केसर की खेती **जून और जुलाई** के महीनों के दौरान तथा कुछ स्थानों पर **अगस्त एवं सतिंबर** में की जाती है।
    - इसमें **अक्तूबर माह** में फूल आना शुरू हो जाता है।
- **दशाएँ:**
    - ऊँचाई: समुद्र तल से 2000 मीटर की ऊँचाई केसर की खेती के लयि अनुकूल होती है।
    - **मृदा:** इसे अलग-अलग प्रकार की मृदा में उगाया जा सकता है लेकनि **6 और 8 pH मान वाली Calcareous** (वह मट्टिी जसिमें प्रचुर मात्रा में कैल्शयिम कार्बोनेट होता है) मट्टिी में केसर का अच्छा उत्पादन होता है।
    - **जलवायु:** केसर की खेती के लयि एक उपयुक्त गर्मी और सर्दियों वाली जलवायु की आवश्यकता होती है, जसिमें **गर्मियों में** तापमान **35 या 40 डग्रिी सेल्सयिस से अधकि न हो तथा सर्दियों में लगभग -15 या -20 डग्रिी सेल्सयिस के बीच रहता हो।**
    - **वर्षा:** इसके लयि पर्याप्त वर्षा की आवश्यकता होती है यानी **प्रतविर्ष 1000-1500 ममिी.** है।

भारत में केसर उत्पादन क्षेत्र:

- केसर का उत्पादन लंबे समय तक जम्मू और कश्मीर केंद्रशासति प्रदेश में एक सीमति भौगोलकि क्षेत्र तक सीमति रहा है।
- पंपोर क्षेत्र जसि आमतौर पर कश्मीर में '**केसर के कटोरे**' के रूप में जाना जाता है, केसर उत्पादन में मुख्य योगदानकरत्ता है।
    - कश्मीर का पंपोर केसर, भारत में वशि्व स्तर पर **महत्त्वपूर्ण कृष विरिासत प्रणालयिों (Globally Important Agricultural Heritage Systems)** के मान्यता प्राप्त स्थलों में से एक है।
- केसर का उत्पादन करने वाले अन्य ज़लि बडगाम, श्रीनगर और कश्तिवाड़ हैं।
- हाल ही में कश्मीरी केसर को **भौगोलकि संकेतक (जीआई) टैग** का दर्जा मलिा है।

अन्य पहल:

- केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2010 में नलकूपों और फव्वारा सचिाई सुवधिाओं के नरि्माण में सहायता प्रदान करने के लयि **राष्ट्रीय केसर मशिन** को मंज़ूरी दी गई थी, जो केसर उत्पादन के क्षेत्र में बेहतर फसल प्राप्त करने में मदद करेगा।
- हाल ही में **हमिालय जैवसंपदा प्रौद्योगकिी संस्थान** (CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology) और **हमिाचल प्रदेश सरकार** ने संयुक्त रूप से दो मसालों **(केसर और हींग)** का उत्पादन बढ़ाने का फैसला कयिा है।
    - इस योजना के तहत IHBT, नरि्यातक देशों से केसर की नई कस्मिों को लाएगा तथा भारतीय परस्थितियिों के अनुसार इसको मानकीकृत (Standardized) करेगा।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/saffron-bowl-project